माननीय रेल मंत्री महोदय का रेलकर्मियों के नाम संदेश

मेरे प्रिय रेलकर्मियो,

सर्वप्रथम मैं राष्ट्र की जीवन रेखा कहलाने वाली भारतीय रेल का कार्यभार ग्रहण करने पर आपको अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ। हमारे ऊपर देशवासियों को बेहतर परिवहन सुविधाएँ मुहैया कराने के साथ-साथ देश के आर्थिक विकास को गति देने की बड़ी जिम्मेदारी है। मैं इस विशाल रेल परिवार के मुखिया के रूप में आप सभी को अपने परिवार का सदस्य मानता हूँ।

भारतीय रेल देश का विकास इंजन होने के साथ-साथ शक्ति केन्द्र भी है। न केवल प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या, माल लदान, नेटवर्क के आकार, अर्जित किये गये राजस्व और कर्मचारियों की विशाल संख्या के कारण यह महत्त्वपूर्ण है, बल्कि प्रत्येक भारतीय नागरिक के साथ अंतरंग सम्बंध के कारण इस संस्थान ने आज के समय में बहुत अधिक महत्त्व हासिल किया है। सच यह है कि किसी गतिशील प्रणाली को समय-समय पर उत्प्रेरक की ज़रूरत होती है और मैं चाहता हूँ कि प्रत्येक रेलकर्मी उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हुए भविष्य में रेल एवं देश के विकास में अहम योगदान दे। लियो टॉलस्टाय ने कहा था- 'प्रत्येक व्यक्ति दुनिया को बदलने की सोचता है, लेकिन स्वयं को बदलने की नहीं सोचता।'

यदि हम सोचते हैं कि इस प्रणाली में बदलाव अपेक्षित है, तो इस बदलाव की शुरुआत हमें अपने आप से करनी होगी। हमारा विशेष ध्यान यात्रियों और कर्मचारियों की संरक्षा और हमारे ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता की ओर केन्द्रित होना चाहिये। उक्त लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम भारतीय रेल को राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, राष्ट्र की जीवन रेखा और राष्ट्र को जोड़ने की भूमिका में बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

आपका,

(सुरेश प्रभाकर प्रभु)